नईदुनिया

विधानसभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर संविधान संशोधन की मांग की, संसद को भेजा जाएगा प्रस्ताव

गिलगित-बाल्टिस्तान को पांचवां प्रांत बनाने की दिशा में पाकिस्तान का कदम

इस्लामाबाद, एजेंसी : पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान को देश का पांचवां प्रांत बनाने की दिशा में नई पहल शुरू हो गई है। गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से संविधान में संशोधन कर इस क्षेत्र को प्रांतीय दर्जा देने की मांग की है। प्रस्ताव को आगे की मंजूरी के लिए पाकिस्तान की संसद भेजा जाएगा।

प्रस्ताव में कहा गया है कि गिलगित-बाल्टिस्तान के लोगों को पाकिस्तान के अन्य प्रांतों के नागरिकों की तरह समान संवैधानिक, राजनीतिक और लोकतांत्रिक अधिकार मिलने चाहिए। साथ ही राष्ट्रीय विधानसभा, सीनेट और अन्य संघीय संवैधानिक संस्थाओं में इस क्षेत्र को प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की गई है।

प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष तथा दो निर्दलीय विधायकों के हस्ताक्षर हैं। प्रस्ताव के अनुसार गिलगित-बाल्टिस्तान को अभी स्थायी नहीं, बल्कि अस्थायी रूप से प्रांत का दर्जा देने की बात कही गई है। इसमें यह भी उल्लेख है कि यदि भविष्य में जम्मू-कश्मीर विवाद का कोई समाधान होता है तो उसके अनुरूप इस क्षेत्र की संवैधानिक स्थिति पर पुनर्विचार किया जा सकेगा। साथ ही यह भी मांग की गई है कि जब तक प्रांतीय दर्जा नहीं मिलता, तब तक केंद्र सरकार और अन्य प्रांत यह सुनिश्चित करें कि गिलगित-बाल्टिस्तान को सरकारी निधियों और राष्ट्रीय संसाधनों में उचित हिस्सा मिले।

वर्तमान में पाकिस्तान में पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा चार संवैधानिक प्रांत हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान अब तक सीमित स्वशासन के तहत संचालित होता रहा है और उसे अन्य प्रांतों के समान संवैधानिक अधिकार प्राप्त नहीं हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रस्ताव पारित होने के बावजूद इसे स्थायी प्रांत का दर्जा देना पाकिस्तान के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि पाकिस्तान लंबे समय से जम्मू-कश्मीर को विवादित क्षेत्र बताते हुए उसके अंतिम समाधान के लिए जनमत संग्रह की वकालत करता रहा है।

गिलगित-बाल्टिस्तान में वर्ष 2009 में पहली बार स्वशासन व्यवस्था लागू की गई थी। इसके तहत विधानसभा का गठन हुआ और स्थानीय सरकार बनाई गई, हालांकि महत्वपूर्ण अधिकार केंद्र सरकार के पास ही रहे। वर्ष 2018 में नई प्रशासनिक व्यवस्था लागू कर स्थानीय विधानसभा और मुख्यमंत्री को कुछ अतिरिक्त अधिकार दिए गए, लेकिन क्षेत्र को आज तक संवैधानिक प्रांत का दर्जा नहीं मिल सका।

गिलगित-बाल्टिस्तान कभी जम्मू-कश्मीर रियासत का हिस्सा था। वर्ष 1947 में महाराजा हरि सिंह द्वारा जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के बाद यहां विद्रोह हुआ और यह क्षेत्र पाकिस्तान के कब्जे में चला गया। बाद में करगिल और द्रास पर भारतीय सेना ने पुन: नियंत्रण स्थापित कर लिया, लेकिन गिलगित-बाल्टिस्तान पाकिस्तान के कब्जे में बना रहा।

वर्ष 1974 में पाकिस्तान ने नया संविधान लागू किया, जिसमें केवल चार प्रांतों को संवैधानिक मान्यता दी गई। गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को इसमें शामिल नहीं किया गया। इसके बाद वर्ष 2009 और 2018 में प्रशासनिक सुधार किए गए, लेकिन क्षेत्र को अब तक पूर्ण संवैधानिक प्रांतीय दर्जा नहीं मिल सका। अब विधानसभा के ताजा प्रस्ताव के बाद इस विषय पर अंतिम निर्णय पाकिस्तान की संसद और संविधान संशोधन की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

बलूचिस्तान में 45 सैनिकों के मारे जाने का दावा

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने सैनिकों और बचाव दल पर किया हमला, मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी : बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि उसने बलूचिस्तान के मस्तंग जिले में पाकिस्तान सेना के एक सैन्य काफिले पर हमला किया, जिसमें 45 से अधिक सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हुए। यह घटना गुरुवार को क्वेटा-कराची राजमार्ग पर खदकुचा क्षेत्र के पास हुई। हालांकि पाकिस्तान सेना ने सैन्य काफिले पर हमले की पुष्टि की है, लेकिन हताहतों की संख्या के संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की है। संगठन के प्रवक्ता ने दावा किया कि सैनिकों को ले जा रही बस को विस्फोटक से निशाना बनाया गया। इसके बाद काफिले की सुरक्षा में तैनात जवानों तथा घटनास्थल पर पहुंचे अतिरिक्त सैन्य दल पर भी हमला किया गया। संगठन के अनुसार इसके बाद क्षेत्र में काफी देर तक मुठभेड़ चली। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा, लेकिन सबसे कम आबादी वाला प्रांत है। यहां सेना की आवाजाही मुख्य रूप से सीमित राजमार्गों पर निर्भर रहती है। ऐसे में उग्रवादी संगठन इन मार्गों पर घात लगाकर हमले करने का प्रयास करते हैं। संगठन का आरोप है कि कई बार सैनिकों को सामान्य यात्री बसों में ले जाया जाता है, जिससे हमलों के दौरान अधिक नुकसान होने की आशंका रहती है। स्थानीय स्तर पर खुफिया जानकारी जुटाने में कठिनाइयों को भी सुरक्षा बलों के लिए चुनौती माना जाता है। दूसरी ओर, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने वर्ष 2025 के दौरान बड़ी संख्या में हमले करने का दावा किया है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, पाकिस्तान में सुरक्षा स्थिति को लेकर क्षेत्र में लगातार तनाव बना हुआ है।

पहली बार मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भाग लेगा पाकिस्तान

अनीका जमाल इकबाल बनीं देश की पहली आधिकारिक प्रतिनिधि

इस्लामाबाद, एजेंसी : पाकिस्तान पहली बार आधिकारिक रूप से मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहा है। 24 वर्षीय अनीका जमाल इकबाल को मिस वर्ल्ड पाकिस्तान-2026 का ताज पहनाया गया है। इसके साथ ही वह मिस वर्ल्ड के 73 वर्ष के इतिहास में पाकिस्तान का पहला आधिकारिक प्रतिनिधित्व करेंगी।

अनीका वर्तमान में लेखांकन और लेखा परीक्षण विषय में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही हैं। इससे पहले वह मिस अर्थ, मिस ग्लोबल, मिस कॉस्मो, मिस इको इंटरनेशनल और मिस ऑरा इंटरनेशनल जैसी अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं में भी पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। मिस पाकिस्तान वर्ल्ड संगठन की अध्यक्ष सोनिया अहमद ने इसे पाकिस्तान के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। वर्ष 2002 में स्थापित यह संगठन पिछले दो दशकों से अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं के लिए पाकिस्तानी प्रतिभागियों को तैयार कर रहा है। हालांकि मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में यह पाकिस्तान की पहली आधिकारिक भागीदारी होगी।

दतिया उपचुनाव में पूरी ताकत से जुटने का आह्वान

भाजपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं से घर-घर पहुंचकर जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार करने को कहा

नईदुनिया प्रतिनिधि, दतिया/भोपाल : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा, सांसद भारत सिंह कुशवाह तथा भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने शुक्रवार को होटल रतन रॉयल में दतिया उपचुनाव कार्यालय का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। कार्यक्रम में नेताओं ने कार्यकर्ताओं से भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को ऐतिहासिक विजय दिलाने के लिए पूरी ताकत से चुनाव मैदान में उतरने का आह्वान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी और कुशाभाऊ ठाकरे के चित्रों पर माल्यार्पण तथा वंदे मातरम् के साथ हुआ।

शिवप्रकाश ने कहा कि सभी कार्यकर्ता एक विचार और एक उद्देश्य के साथ संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करते हैं। उन्होंने विकसित दतिया, विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के निर्माण के लिए भाजपा प्रत्याशी को विजयी बनाने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा विचारधारा और कार्यकर्ताओं का संगठन है तथा दतिया उपचुनाव प्रत्येक कार्यकर्ता के स्वाभिमान और सम्मान का चुनाव है। उन्होंने कांग्रेस पर क्षेत्र के विकास की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क करने का आग्रह किया।

प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में घोटाले हुए, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की मजबूत नींव रखी गई है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रत्याशी केवल माध्यम होता है, चुनाव कार्यकर्ताओं के परिश्रम से जीता जाता है। डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया और आने वाली पीढ़ियों के विकास के लिए भाजपा को मजबूत बनाने का आह्वान किया। सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ताओं को सम्मान और अवसर मिलता है।

भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने कहा कि वह जीवनभर दतिया की जनता और कार्यकर्ताओं की सेवा के लिए समर्पित रहेंगे तथा 30 जुलाई को कमल के फूल के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

आंध्र प्रदेश में मिले कोरोना संक्रमण के 12 नए मामले

नईदुनिया ब्यूरो, अमरावती: आंध्र प्रदेश में 26 जून से 16 जुलाई के बीच कोरोना संक्रमण के 12 नए मामले सामने आए हैं। इस अवधि में चार मरीजों की मृत्यु भी हुई है। राज्य सरकार ने संक्रमण के विषाणु स्वरूप का पता लगाने के लिए पांच नमूने राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, पुणे भेजे हैं। वहीं, पड़ोसी राज्य कर्नाटक में भी एहतियाती कदम बढ़ा दिए गए हैं। राज्य की स्वास्थ्य सचिव एवं आयुक्त वीरा पांडियन के अनुसार, जिन चार मरीजों की मृत्यु हुई, वे पहले से उच्च रक्तचाप, मधुमेह और गुर्दे की बीमारी जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त थे। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कडपा में आठ, गुंटूर में दो तथा विशाखापत्तनम और काकीनाडा में एक-एक मामला दर्ज किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी मामले अलग-अलग क्षेत्रों से सामने आए हैं और कहीं भी संक्रमण का समूह नहीं बना है।

वर्तमान में तीन मरीज घर पर पृथकवास में हैं, दो का अस्पताल में उपचार चल रहा है और तीन मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। केजीएच अस्पताल में भी एक मरीज में संक्रमण की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां अपनाने की अपील की है।

ट्रम्प ने फिर दोहराया चुनावी धांधली का दावा

चीन पर मतदाता आंकड़े चुराने का आरोप, खुफिया एजेंसियों पर जानकारी छिपाने की बात कही

वॉशिंगटन, एजेंसी: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनाव सुरक्षा के मुद्दे पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए एक बार फिर वर्ष 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली होने का दावा किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार चुनाव सुरक्षा से जुड़े गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक कर रही है।

ट्रम्प के अनुसार, सार्वजनिक किए जा रहे दस्तावेजों में दावा किया गया है कि वर्ष 2020 के चुनाव के दौरान चीन ने 22 करोड़ अमेरिकी मतदाताओं के आंकड़े हासिल किए थे। उन्होंने कहा कि 18 राज्यों के मतदाता आंकड़ों तक पहुंच बनाई गई। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गुप्तचर एजेंसी, संघीय जांच एजेंसी तथा अन्य खुफिया एजेंसियों को इसकी जानकारी थी, लेकिन इसे राष्ट्रपति, संसद और जनता से छिपाया गया।

उन्होंने यह भी दावा किया कि गृह सुरक्षा विभाग की जांच में लगभग 2.78 लाख गैर-नागरिक संघीय चुनावों के लिए मतदाता के रूप में पंजीकृत मिले। साथ ही उन्होंने मतदान मशीनों, मतदाता अभिलेखों और मतगणना व्यवस्था को बाहरी साइबर हमलों के प्रति संवेदनशील बताया।

ट्रम्प ने चुनाव सुरक्षा से जुड़े मामलों की जांच कराने, जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा आवश्यकता पड़ने पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने के निर्देश देने की बात कही। उन्होंने कुछ समाचार माध्यमों पर भी अपने संबोधन का प्रसारण नहीं करने का आरोप लगाया।

हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, वर्ष 2020 के चुनाव के बाद हुई जांच, पुनर्गणना, लेखा परीक्षण और न्यायालयों की सुनवाई में बड़े पैमाने पर चुनावी धांधली के प्रमाण नहीं मिले थे।

श्रीगुंडिचा मंदिर पहुंचे तीनों रथ, सात दिन करेंगे प्रवास

नईदुनिया ब्यूरो, पुरी: ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ शुक्रवार दोपहर श्रीगुंडिचा मंदिर पहुंच गए। इसके साथ ही रथयात्रा संपन्न हो गई। परंपरा के अनुसार तीनों देवता अब सात दिन तक मौसी के घर माने जाने वाले श्रीगुंडिचा मंदिर में प्रवास करेंगे। शुक्रवार रात तीनों देवता अपने-अपने रथों पर ही विराजमान रहेंगे, जबकि शनिवार को उन्हें मंदिर में प्रवेश कराया जाएगा। वापसी रथयात्रा, जिसे बहुड़ा यात्रा कहा जाता है, 24 जुलाई को निकाली जाएगी। रथयात्रा के दूसरे दिन सुबह भगवान बलभद्र के रथ को खींचने के साथ यात्रा फिर शुरू हुई। बारिश और उमस के बावजूद लगभग नौ लाख श्रद्धालु रथ खींचने के लिए मार्ग पर जुटे। गुरुवार को पाहंडी अनुष्ठान में विलंब होने के कारण तीनों रथ श्रीगुंडिचा मंदिर तक नहीं पहुंच सके थे। श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी ने बताया कि अधिकांश अनुष्ठान समय पर हुए, लेकिन भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा मुख्य द्वार पर कुछ समय तक आगे नहीं बढ़ सकी, जिससे विलंब हुआ। उन्होंने बताया कि बारिश के कारण पारंपरिक पुष्प मुकुट 'तहिया' भारी हो जाने से उसे हटा दिया था।

युगांडा में स्कूल बस दुर्घटना में 20 बच्चों सहित 21 की मौत

शैक्षणिक भ्रमण से लौट रहे थे छात्र, बस अनियंत्रित होकर चट्टान से टकराई

कंपाला, एजेंसी: पूर्वी अफ्रीकी देश युगांडा के कपचोरवा जिले में गुरुवार रात एक स्कूल बस दुर्घटना में 20 बच्चों सहित 21 लोगों की मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार, सभी विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण के तहत सिपी फॉल्स घूमकर लौट रहे थे। इसी दौरान चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद बस सड़क से उतरकर एक चट्टान से टकरा गई और पलट गई।

दुर्घटना में कई बच्चों सहित तीन लोग घायल भी हुए हैं। घायलों को निकटवर्ती अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने अभी घायलों की सटीक संख्या की पुष्टि नहीं की है।

प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण चालक द्वारा बस पर नियंत्रण खोना बताया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के अन्य कारणों की भी पड़ताल की जा रही है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

उत्सुकता *कई जिलों में लोगों ने देखा अद्भुत दृश्य, उल्का पिंड होने की अटकलें*

आसमान में दिखी रहस्यमयी तेज रोशनी

नईदुनिया ब्यूरो, अमृतसर: पंजाब के अमृतसर, तरनतारन, पठानकोट सहित कई जिलों में गुरुवार रात आसमान में अचानक तेज चमकदार रोशनी दिखाई देने से लोगों में उत्सुकता फैल गई। यह दृश्य कुछ ही क्षणों के लिए दिखाई दिया, जिसके बाद इसके चित्र और दृश्य सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित होने लगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह चमक सामान्य बिजली या आतिशबाजी जैसी नहीं थी। तरनतारन और अन्य क्षेत्रों के लोगों ने बताया कि उन्होंने पहले कभी ऐसा दृश्य नहीं देखा। इसी कारण कई लोगों ने इसे उल्का पिंड अथवा किसी खगोलीय घटना से जोड़कर देखा। हालांकि, इसकी अब तक किसी वैज्ञानिक संस्था या संबंधित विभाग की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित दृश्यों में रात के आकाश में एक अत्यंत तेज चमक दिखाई देती है, जो कुछ सेकंड तक तीव्र गति से आगे बढ़ने के बाद अचानक विलुप्त हो जाती है। इसी दृश्य को लेकर विभिन्न प्रकार की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पठानकोट में भी देर शाम लगभग 8 बजकर 40 मिनट पर ऐसा ही दृश्य दिखाई देने का दावा किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ क्षणों के लिए ऐसा लगा मानो आकाश में अत्यधिक तेज प्रकाश फैल गया हो, जो तुरंत गायब हो गया। कई लोगों ने शुरुआत में इसे आतिशबाजी समझा, जबकि अन्य लोगों ने इसे संभावित उल्का पिंड बताया। फिलहाल इस घटना के वास्तविक कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।